बुधवार
13 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

भूख बढ़ाने के लिए करें नींबू का इस्तेमाल, बढ़ जाएगी आपकी डाइट

पृष्ठ 5

सनी देओल की फिल्म मां तुझे सलाम के सीक्वल का ऐलान

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 216
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

उद्यान घोटाले पर हाईकोर्ट का सख्त रुख

सीबीआई से जांच कराने की चेतावनी

विशेष संवाददाता

देहरादून। बहुचर्चित करोड़ों रुपए के उद्यान घोटाले में आज एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट में समिट की। जिसे पढ़कर अदालत ने कई सवाल उठाए और सरकार से 27 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक सील बंद लिफाफे में अपना जवाब देने को कहा गया है।

❑सरकार से 27 सितंबर तक जवाब देने को कहा
❑एसआईटी की जांच पर उठाये कई सवाल

राज्य के इस करोड़ों रुपए के उद्यान घोटाले की जांच कर रही एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई। मामले की सुनवाई कर रही अदालत की बेंच ने एसआईटी से पूछा कि क्या एसआईटी ने इस मामले के मुख्य आरोपी उद्यान विभाग के निदेशक हरमन बवेजा से पूछताछ की है? अगर पूछताछ की है तो एसआईटी ने क्या पूछा है और वह किस निष्कर्ष पर पहुंची है। वही कोर्ट ने पूछा कि क्या एसआईटी ने इस घोटाले से जुड़ी अनीता ट्रेडर्स नर्सरी की मालिक से पूछताछ की है। अगर की है तो इस मामले में आगे क्या कार्रवाई की जा रही है। कोर्ट द्वारा एसआईटी की जांच पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा गया है कि घोटाले को अंजाम देने में जम्मू कश्मीर और हिमाचल की जिन संस्थाओं या व्यक्तियों की सहभागिता रही है उन दूसरे राज्यों में एसआईटी कैसे जांच कर सकती है?

कोर्ट ने कहा की एसआईटी जब दूसरे राज्यों में जाकर किसी मामले की जांच नहीं कर सकती है तो क्यों न इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी जाए। एसआईटी द्वारा की गई जांच रिपोर्ट को पूरी गंभीरता से पढ़ने और समझने के बाद एसआईटी की जांच पर असंतोष जाहिर करते हुए कोर्ट द्वारा कहा गया है कि सरकार इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 27 सितंबर तक अदालत में अपना जवाब सील बंद लिफाफे में दाखिल करें।

उल्लेखनीय है कि उद्यान विभाग में हुए इस करोड़ों रुपए के घोटाले की जांच करने के लिए सरकार द्वारा एसआईटी को जांच सौंपी गई थी लेकिन इस जांच से हाईकोर्ट संतुष्ट नहीं है। अब देखना यह है कि सरकार 27 सितंबर को क्या जवाब देती है लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि सरकार सवालों का सही जवाब नहीं देती है तो इसकी जांच सीबीआई को सौंपी जा सकती है।

बोलेरो खाई में गिरी दो की मौत, चार गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

टिहरी। राज्य के पर्वतीय जिलों में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे है। इस क्रम में एक बोलेरो वाहन के खाई में गिर जाने से छह लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर बुलेरो सवार सभी छह लोगों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान दो लोगों की मौत हो गयी जबकि अन्य चार की हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसा टिहरी जिले के तहसील नरेंद्रनगर क्षेत्रांतर्गत हिंडोलाखाल-नीरगड्डू मोटर मार्ग पर हुआ है। जहां एक बुलेरो खाई में गिर गई जिसमें छह लोग सवार थे। वाहन ऋषिकेश से आगरखाल की ओर जा रहा था।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि कखुर के पास सड़क से नीचे खाई में गिरने से बुलेरो वाहन दुघर्टनाग्रस्त हो गया। वाहन में कुल 6 लोग सवार थे। चार लोगों को एम्स ऋषिकेश भेजा गया। जबकि दो लोगों को नरेंद्रनगर अस्पताल ले जाया गया। बताया कि एम्स से मिली जानकारी के अनुसार दो घायलों बबलू उर्फ संजीत एवं दिलबर की मौत हो गई है। अन्य सभी घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घायल व मृतकों की पहचान दिलबर पुत्र ज्ञान सिंह (35 वर्ष) निवासी ग्राम कोथली कुसराणी ,नरेंद्र नगर,शीला पत्नी दिलबर (30 वर्ष) आरव पुत्र दिलबर (6 वर्ष),शिवांशी पुत्री दिलबर (4 वर्ष), बबलू उर्फ संजीत पुत्र रणजीत सिंह (25 वर्ष) व सुनील पुत्र छप्पन सिहं (26)के रूप में हुई है।

जयपुर-आगरा हाईवे पर ट्रेलर ने बस को मारी टक्कर, 11 लोगों की मौत

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में बुधवार तड़के एक ट्रेलर ने बस को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। यह भीषण हादसा जयपुर-आगरा हाईवे पर भरतपुर जिले के हंतरा के पास हुआ। बस गुजरात से उत्तर प्रदेश के मथुरा जा रही थी जब सुबह करीब साढ़े चार बजे यह दुर्घटना हुई। बस लखनपुर इलाके में अंतरा फ्लाईओवर पर रुकी थी तभी पीछे से ट्रेलर ने टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि पांच पुरुषों और छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में मरने वालों की संख्या बढ़ गई क्योंकि भरतपुर के एसपी मृदुल कछावा ने पुष्टि की कि दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार, अंतू, नंदराम, लल्लू, भरत, लालजी, उनकी पत्नी मधुबेन, अंबाबेन, कंबुबेन, रामूबेन, अंजूबेन और अरविंद की पत्नी मधुबेन की दुर्घटना में मृत्यु हो गई। वे गुजरात के भावनगर के दिहोर के रहने वाले थे। भरतपुर के एसपी मृदुल कछावा ने कहा कि बस में सवार यात्री गुजरात के भावनगर से उत्तर प्रदेश के मथुरा जा रहे थे, तभी सुबह करीब साढ़े चार बजे यह दुर्घटना हुई। वे गुजरात के भाव नगर के दिहोर के रहने वाले थे।

आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सैनिक की जान बचाने को 'आर्मी डॉग' केंट ने दे दी कुर्बानी

जम्मू । राजौरी में आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान भारतीय सेना की एक फीमेल डॉग शहीद हो गई। मरने से पहले उसने अपने हैंडलर की जान बचाई। अब उसकी बहादुरी की चर्चा पूरे देश में हो रही। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक डॉग का नाम केंट था। वो 6 साल की मादा लैब्राडोर थी, जो काफी वक्त से भारतीय सेना की 21 आर्मी डॉग यूनिट में सेवा दे रही थी। अधिकारियों ने बताया कि जवान आर्तकियों का पीछा कर रहे थे, जो झाड़ियों में जा छिपे। इस दौरान केंट को उनकी भनक लग गई और वो तेजी से भागते हुए उनकी ओर जाने लगी। उसको

❑ऑपरेशन में 2 आतंकी ढेर, एक जवान हुए शहीद

पास आता देख आर्तकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

जवानों के मुताबिक केंट ने अपने हैंडलर की जान की रक्षा करते हुए खुद गोली खाई। उसको तुरंत घटनास्थल से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मामले में जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने कहा कि केंट श्ऑपरेशन सुजलीगालाश में सबसे आगे थी। उसने अद्मय साहस और वीरता का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन में 2 आर्तकियों को ढेर किया गया, जबकि एक जवान भी शहीद हुआ है। वहीं आर्तकियों की गोलीबारी में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) सहित तीन और जवान भी घायल हुए। वहीं पीआरओ डिफेंस जम्मू ने डॉग का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो जवानों के साथ सर्च ऑपरेशन में भाग लेती नजर आ रही। सोशल मीडिया पर लोग उसकी जांबाजी की तारीफ कर रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़े निवेश की कोशिश

बीते कल उत्तराखंड सरकार ने कैबिनेट बैठक में जो सर्विस सेक्टर पॉलिसी लाने का फैसला किया है उसके मूल में इस सरकार की यही मंशा है कि राज्य में बड़े निवेश को कैसे आकर्षित किया जाए। बीते कुछ सालों में जो राज्यों ने इन्वेस्टर्स समिटो का आयोजन कर निवेश को बढ़ावा देने का एक तरीका खोजा है उसे कामयाब बनाने के लिए यह जरूरी है कि आपके राज्य की एक बेहतर सर्विस सेक्टर पॉलिसी हो जो निवेशकों को इस बात की गारंटी देती हो कि वह आपके राज्य में निवेश करते हैं तो वह उनके लिए फायदे का सौदा है तथा उन्हें सरकार हर संभव सहायता और सुरक्षा प्रदान करेगी। उत्तराखंड राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा, होटल, वैलनेस सेंटर, योगा सेंटर, फिल्म और आईटी तथा खेल आदि अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें विकास की अपरिमित संभावनाएं मौजूद है। सरकार द्वारा इन तमाम क्षेत्रों में निवेश करने वाले उद्योगपतियों को क्या-क्या सुविधाएं प्रदान करेगी? इस पहली बार बनाई गई सर्विस पॉलिसी में निहित होगा। सरकार द्वारा अपनी इस पहले सर्विस पॉलिसी को लाने का फैसला ठीक उस समय से पूर्व किया गया है जब सरकार दिसंबर माह में राज्य में एक बड़ी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रही है जिसमें बहुत बड़े निवेश आने का दावा किया जा रहा है ग्लोबल समिट से ऐन पूर्व लाई गई इस पॉलिसी का मुख्य कारण यही है कि सरकार इन निवेशकों को यह बता सके कि वह राज्य में कहां और किस सेक्टर में कितना निवेश करेंगे तो सरकार उन्हें क्या-क्या सुविधाएं देगी। 100 करोड़ से 500 करोड़ तक के बड़े निवेश को सरकार द्वारा 25 फीसदी सब्सिडी देने का फैसला इस नीति के तहत किया गया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि उत्तराखंड की हसीन और मनमोहक वादियों में पर्यटन, योग, वैलनेस सेंटर और फिल्म तथा होटल व्यवसाय के लिए अत्यंत ही मुफीद वातावरण और माहौल है। लेकिन यह सरकार की उन पॉलिसीयों पर ही निर्भर करेगा कि उसे कितना निवेश मिलता है और वह निवेश कितना टिकाऊ होता है जो सरकार लागू करने वाली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में पहली बार औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किये जा रहे हैं। भले ही सरकार सर्विस सेक्टर के लिए पहली बार कोई पॉलिसी लाई हो लेकिन राज्य गठन से ही पहाड़ पर उद्योगों को पहुंचाने की बात की जाती रही है। मगर सरकारी नीतियों की लचर व्यवस्था और उदासीन रवैया के कारण इसका कोई लाभ नहीं मिल सका है। राज्य गठन के बाद केंद्र सरकार द्वारा राज्य को विशेष आर्थिक पैकेज दिया गया था। इस आर्थिक पैकेज का फायदा उठाने के लिए तमाम बड़े-बड़े उद्योग राज्य में आए यह अलग बात है कि पहाड़ पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण इनका दायरा दून, उधम सिंह नगर और हरिद्वार तक ही सीमित रहा लेकिन इस विशेष पैकेज की अवधि समाप्त होते ही तमाम उद्योग भी सब्सिडी का लाभ उठाकर चलते बने। हालांकि बीते 10 सालों में राज्य के इंफ्रास्ट्रेंक्चर में भारी सुधार आया है कनेक्टिविटी बढ़ी है सड़क, रेल, वायु तथा संचार सुविधाएं निरंतर बढ़ रही है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि अब पहले जैसी स्थितियां पैदा नहीं होगी और पहाड़ पर उद्योग लगेंगे भी और टिकेंगे भी लेकिन इसके लिए सरकार की नीतियों और नियत दोनों का सही होना जरूरी है।

उत्तराखंड में निवेश को बढ़ावा देने के लिए धामी सरकार ने झोंकी ताकत

देहरादून (सं)। पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों को उत्तराखंड में अधिकाधिक निवेश के लिए आकर्षित करने की खातिर कई देशों में रोड शो होंगे। पहला अंतराष्ट्रीय रोड शो 25 से 28 सितंबर तक लन्दन में होगा। यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का संकल्प रंग ला रहा है। विदेशी निवेशक भी उत्तराखंड में निवेश करने में खासी रुचि दिखा रहे हैं। धामी सरकार ने वैश्विक निवेशक सम्मेलन के माध्यम से ढाई लाख करोड़ का लक्ष्य रखा है। निवेशकों की सुविधा के लिए उनके सुझावों पर नीतियों का सरलीकरण करने के साथ ही 28 नई नीतियां भी बनाई हैं। इसके अलावा कई अन्य जरूरी ढांचागत सुविधाएं भी सरकार देने जा रही है। 8-9 दिसंबर को देहरादून में प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सरकार पूरी तरह जुट गई है। 14 सितंबर को दिल्ली में कर्टेन रेजर से आगाज होगा। रोड शो के माध्यम से निवेशकों को उत्तराखंड में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। विदेशी निवेशकों को उत्तराखंड में अधि काधिक निवेश के लिए आकर्षित करने की खातिर कई देशों में रोड शो होंगे। पहला अंतराष्ट्रीय रॉड शो 25 से 28 सितंबर तक लन्दन में होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हो सकते हैं। इसके बाद 16 से 20 अक्टूबर तक दुबई और आबूधाबी में रोड शो होंगे। निवेशकों को उत्तराखंड सरकार की निवेश अनुकूल नीतियां बताने के लिए पहला रोड शो 3 अक्टूबर को होगा। इसके बाद देश के प्रमुख महानगरों में रोड शो का आयोजन होगा।

तमु ष्टवाम यं गिर इन्द्रमुक्थानि वावृधुः।
पुरूण्यस्य पौंस्या सिषासन्तो वनामहे॥

(ऋग्वेद ८-९५-६)

हमारी वेद वाणी जिस प्रभु का बढ़-चढ़कर गुणगान करती है हमें उसकी ही उपासना करनी चाहिए। वह सर्वशक्तिमान है। वह सभी गुणों से परिपूर्ण है।

कैबिनेट मंत्री ने नेपाली अभिनेत्री व गायिका को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने तीज महोत्सव में पहुंची नेपाल की अभिनेत्री नीतू कोयरेला व गायिका रितु कंडेल को सम्मानित किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने हाथीबडकला स्थित कैंप कार्यालय में नेपाल की प्रसिद्ध अभिनेत्री नीतू कोयरेला और नेपाल की अंतराष्ट्रीय गायिका रितु कंडेल को पुष्प गुच्छ एवं ऐपण कलाकृति भेंट कर अपनी ओर अपनी सरकार की तरफ से अतिथियों को सम्मानित किया। गौरतलब है, कि बीते दिनों महिंद्रा ग्राउंड देहरादून में तीज महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करने पहुंची थी। जिसके उपरांत मंत्री गणेश जोशी ने नेपाल से पहुंचे अतिथियों को अभिनेत्री नीतू कोयरेला गायिका रितु कंडेल को सम्मानित किया। इस सम्मान कार्यक्रम में गायिका रितु कंडेल ने आईना हेरेला गीत के माध्यम से उपस्थित कार्यक्रम में सभी लोगों को मंत्र मुग्ध किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने जमकर थिरकते नजर आए। नेपाल से आए अतिथियों ने उत्तराखंड से

मिले अपार स्नेह के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मंत्री गणेश जोशी का भी सम्मानित करने के लिए उनका आभार जताया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा हमारी संस्कृति अतिथि देवो भव की रही है और यह हमारी परंपरा भी रही है। उन्होंने कहा नेपाल से हमारा रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। हमारी परंपराएं एवं संस्कृति भी मिलती-जुलती हैं। उन्होंने कहा मसूरी विधानसभा क्षेत्र में 28 हजार से अधिक मतदाता नेपाली समुदाय के जो निरंतर प्रत्येक वर्ष उनकी जीत में अहम भूमिका निभाते है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा इस समुदाय का उनके ऊपर बहुत बड़ा उपकार है। उन्होंने कहा वह कि शीघ्र ही भारत और नेपाल का एक सांस्कृतिक कार्यक्रम देहरादून में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा नेपाल और भारत का रिश्ता बेहद पुराना है और यह कभी कोई अलग नहीं कर सकता। इस अवसर नेपालीअभिनेत्री नीतू कोयरेला, नेपाल गायिका रितु कंडेल, अध्यक्ष पदम थापा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, प्रभा शाह, पार्षद नंदनी शर्मा, पार्षद भूपेंद्र कठेत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दो किलो गांजे के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो गांजे के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने शांति विहार पुलिया के पास दो महिलाओं को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो वह पुलिस को देख भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से दो किलो गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम ऊषा पत्नी दीपक व राजकुमारी पत्नी भोला दोनों निवासी बिन्दाल बस्ती शहर कोतवाली बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महिला की मौत पर दोस्तों पर हत्या की आशंका, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला की मौत पर उसके दोस्तों पर हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देहराखास निवासी पिंकी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बहन काजल पत्नी सन्दीप निवासी कृष्णापुरी पानीपत हरियाणा अपने पति से अलग देहराखास देहरादून मे रह रही थी जोकि ब्यूटीपार्लर का काम करती थी। उसकी बहन की जान-पहचान अमन सैनी व आयुष से थी यह दोनो भी स्पा चलाते है अमन सैनी व आयुष उसकी बहन के दोस्त थे तथा दोनो का उसकी बहन के यहा आना-जाना था बाद मे उसकी बहन का अमन से अफ्फेयर शुरु हुआ वह धीरे-धीरे दोनो मे विवाद होने लगा। अमन व उसकी पत्नि सुमन उसकी बहन को मानसिक रुप से प्रताडित करने लगे आज से लगभग 4-5 माह पूर्व अमन सैनी व उसकी पत्नि ने उसकी बहन के साथ मारपीट की थी। उसकी शिकायत उन्होने पुलिस मे भी की थी तब दोनो पक्षो में सुलहनामा हो गया था, उसके बाद भी अमन सैनी व उसकी पत्नी प्रताडित करते रहे। 8 सितम्बर को उसके पास आयुष का फोन आया कि उसकी बहन महंत इन्द्रेश अस्पताल में भर्ती है। जब वह वहां पहुंची तो उसकी बहन की मौत हो गयी थी। जब उसने पता किया तो आयुष ने बताया कि उसकी बहन ने आत्महत्या की है। उसको लगता है कि उसकी बहन को अमन उसकी पत्नी व आयुष ने मिलकर मार डाला है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैंसर जागरूकता अभियान को साड़ी वॉक-ए-थॉन का आयोजन करेगा एबीकेएम

देहरादून (कासं)। महिलाओं में जागरूकता की कमी के कारण लगातार बढ़ रहे कैंसर जैसी बीमारी को लेकर एबीकेएम के आह्वान पर कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमति ऋचा जौहरी की अध्यक्षता में देहरादून की सभी महत्वपूर्ण संस्था के साथ एक बैठक आयोजित हुई जिसमें निर्णय लिया गया की महिलाओं में तेजी से फैल रहे कैंसर जैसी बीमारी के लिए कैंसर जागरूकता अभियान को लेकर वॉकथॉन (वॉक-ए-थॉन) का आयोजन किया जाएगा।

इस आयोजन में प्रदेश के मशहूर डाक्टर और विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। बैठक में निर्णय की जानकारी देते हुए एबीकेएम की संगठन मंत्री श्रीमति नीतू श्रीवास्तव ने बताया की यह महत्वपूर्ण आयोजन उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के पावन अवसर पर आयोजित किया जाना

प्रस्तावित है जिसमें भारतीय भेष भूषा साड़ी में प्रदेश की मातृशक्ति वॉकथॉन (वॉक-ए-थॉन) कर लोगो को जागरूक करेंगी। उन्होंने बताया कि पहली बार आयोजित हो रहे इस वॉकथॉन (वॉक-ए-थॉन) में अनुभवी और विशेषज्ञ लोगो को जागरूक करेंगे।

आयोजित बैठक में लायन्स क्लब की अध्यक्ष निशा शर्मा और प्रेम लता, शंखीनी की अध्यक्ष आभा शर्मा, मानस संस्था की अध्यक्ष विभा कपूर, कनेक्ट मीडिया चेयरमैन दीप शिखा, टैलेंट इनेबलर्स की मुखिया ऋचा जौहरी, हिंदू युवा वाहनी से संगीता बांधवा, जैन समाज की प्रदेश मीडिया इंचार्ज मंजु जैन के साथ उमा की अध्यक्ष साधना शर्मा फोन के माध्यम से और एबीकेएम से संगठन मंत्री नीतू श्रीवास्तव, गीता श्रीवास्तव, संजना श्रीवास्तव और खुशीता जौहरी उपस्थित रही।

चोपता वैली में तैयार होगा इको टूरिज्म जोन

कार्यालय संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से प्रसिद्ध रूद्रप्रयाग जिले की चोपता घाटी में इको टूरिज्म जोन तैयार होने जा रहा है। वन विभाग ने इसके लिए कवायद शुरू कर दी है। विभाग ने इको टूरिज्म बोर्ड को साढे तीन करोड रूपये की लागत का प्रस्ताव भेजा है। बोर्ड से स्वीकृति मिलने के बाद विभाग अग्रिम कार्रवाई शुरू कर देगा।

प्रभागीय वनाधिकारी रुद्रप्रयाग अभिमन्यु ने बताया कि मुख्य सचिव ने सभी जिलों में इको टूरिज्म जोन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वन विभाग द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर चोपता घाटी को जिले में इसके लिए सबसे उपयुक्त स्थान माना गया है। चोपता में देश-विदेश से पर्यटक हर साल पहुंचते हैं। यहां दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर तुंगनाथ स्थित है जिसके दर्शनों को प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इसके अलावा विंटर टूरिज्म के लिए भी हजारों पर्यटक हर साल यहां आते हैं। यहां पर व्यवस्थित टूरिज्म जोन विकसित होने से राज्य सरकार एवं स्थानीय जनता दोनों को लाभ होगा। विभाग ने लैंडस्केप आर्किटेक

. मुख्य सचिव के निर्देश के बाद विभाग ने की कवायद
. साढे तीन करोड की लागत से तैयार होगा टूरिज्म जोन

की मदद से साढ़े तीन करोड़ की लागत की डीपीआर इको टूरिज्म बोर्ड एवं शासन को भेज दी है। स्वीकृति मिलने पर फेज-1 का कार्य 2023-24 व फेज-2 का कार्य 2024-25 में किया जाएगा।

चोपता इको-टूरिज्म जोन कुल 500.00 है0 क्षेत्रफल में तैयार होगा। जिसमें एनएच-107ए के आस-पास के रागसी, मक्कू और उषाडा आरक्षित वन के क्षेत्र को सम्मलित किया जाएगा। इसका मुख्य आकर्षण इको पार्क, ट्री हाउस, बर्ड-इण्टरप्रेटेशन सेंटर और कल्चरल व हेरिटेज सेंटर होंगे। इको-टूरिज्म विकास के समस्त कार्यों को इको-फ्रेंडली तरीके से प्रकृति को अनावश्यक छेड़छाड किए बिना तैयार किया जाएगा।

एनएच-107ए के आस-पास फोटो प्वाइंट, साइनेज एवं एन्ट्रेंस प्लाजा और जानवरों के थ्री डी मॉडल भी स्थापित किए जाएंगे। उषाडा वन पंचायत के आरक्षित वन क्षेत्र में इको-पार्क विकसित किया जाएगा। इसमें इको-टेल, ट्री हाउस, एडवेंचर गतिविधियाँ व कैनोपी ब्रिज, फोटो प्वाइंट, साइनेजेज आदि विकसित किए जाएंगे जिससे पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुखद समय व्यतीत करने का मौका मिले। बर्ड-इंटरप्रेटेशन सेंटर में क्षेत्र के स्थानीय पक्षियों के मॉडल व उनके संबंध में जानकारी तथा साथ ही दुर्लभ वन्यजीव व पक्षियों का विवरण व रोचक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यहाँ बर्ड वाचिंग हेतु आये सैलानियों को बर्ड गाइड, दूरबीन, बर्ड बुक व पक्षियों से संबंधित सोवेनियर/मरकेन्डाइज की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिले में तैयार होने जा रहे इको-टूरिज्म जोन का संचालन के संचालन में स्थानीय लोगों एवं वन पंचायत की अहम भूमिका होगी। इनकी मदद से ही कैम्पिंग साइट का संचालन, पार्किंग, एडवेंचर स्पोर्ट का संचालन, ट्रेकिंग, बर्ड वाचिंग गाइड, अपशिष्ट कूडा प्रबंधन आदि कार्य वन विभाग की देखरेख में किए जाएंगे। इको-टूरिज्म जोन में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार कार्य हेतु बुग्यालों को जियो जूट विधि से उपचार, जल एवं मृदा संरक्षण कार्य एवं सुरक्षा व संचालन हेतु इन्टेंन्स प्लाजा, चेकपोस्ट का निर्माण व अपशिष्ट प्रबंधन हेतु उचित व्यवस्था की जाएगी। स्थानीय लोगों व पर्यटकों की सुविधा के लिए बायो-टॉयलेट, फूड कैफे, टूरिस्ट इन्फॉरमेशन बूथ, सोवेनियर शॉप भी विकसित किए जाएंगे। वहीं औषधीय एवं सगंध पादपों के संरक्षण हेतु हर्बल गार्डन की भी स्थापना की जाएगी। कल्चर एंड हेरिटेज सेंटर में पारंपरिक वेशभूषा, पुरातन औजार, क्षेत्र के हस्तकृति की झलक के साथ-साथ स्थानीय लोक कथा, धार्मिक आस्था व आध्यात्मिक महत्व की जानकारी मिलेगी। कैम्प साइट हेतु चयनित क्षेत्र में ही परमिट के आधार पर स्थानीय ग्रामीणों को सर्शत अनुमति दी जाएगी।

डीफओ अभिमन्यु ने बताया कि जिले में टूरिज्म जोन की तर्ज पर चोपता घाटी के साथ ही चिरबटिया एवं कार्तिक स्वामी घिमतोली सर्किट को भी विकसित किया जाएगा। तीनों ही स्थान पर्यटन के लिहाज से बेहद क्षमता रखते हैं।

सही पोषण व सही आहार से मिलती है शरीर को पूर्ण ऊर्जा और उत्तम स्वास्थ्यः कुसुम कण्डवाल

कार्यालय संवाददाता

पौड़ी । लक्ष्मणझूला, यमकेश्वर (पौड़ी गढ़वाल) के प्राथमिक विद्यालय में महिला सशक्तिकरण व बाल विकास विभाग की ओर से राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत महिलाओं को सही पोषण के लिए जागरूकता कार्यक्रम प्रदर्शनी आयोजित की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल उपस्थित रही।

कार्यक्रम में महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने पोषण प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व नारी शक्ति को सम्बोधित करते हुए कहा कि सही पोषण व सही आहार से ही हमारे शरीर को पूर्ण ऊर्जा और उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज हम जिस प्राकृतिक व पारंपरिक भोजन से दूर होते जा रहे है वही हमे सही पोषण देता है इसके लिए हमे अपनी संस्कृति से जुड़े रहते हुए प्राचीन, पारम्परिक व मोटे अनाज के भोजन से जुड़े रहना होगा। आज बड़े बड़े चिकित्सक और

शोधकर्ताओं ने बताया है कि हमारे शरीर मे अनेक रोग सही पोषण न मिलने के कारण लग जाते है जिनसे हम अच्छे व पोषण युक्त आहार, पारंपरिक भोजन व मोटे अनाज के माध्यम से ठीक रह सकते है। इसी लिए हमें अपने भोजन आहार में अपनी संस्कृति के पारंपरिक अनाज को शामिल करना होगा। उन्होंने बताया कि आज सरकार विभिन्न कार्यक्रमों व योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सही पोषण व उत्तम आहार के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। जो कि हमें महिला सशक्तिकरण व बाल विकास विभाग की अधिकारियों, आशा बहनों व आंगनबाड़ियों के माध्यम से प्राप्त होता रहता है।

वहीं आयोग की अध्यक्ष ने कार्यक्रम में पहुंची गर्भवती महिलाओं को फूलमाला पहनाकर उनकी गोदभराई करते हुए उन्हें, सरकार द्वारा प्राप्त उत्तम पोषण किट प्रदान की तथा पोषण प्रदर्शनी में पोषण युक्त आहार व सब्जियों का प्रदर्शन कर रहे बच्चों को सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व महिलाओं को उत्तम स्वास्थ्य व सही पोषण के लिए डॉ पूनम द्वारा सामान्य कमजोरी से बचने के उपाय व उत्तम डाइट प्लान की जानकारी दी गयी, साइबर अपराध से बचने के लिए एसआई मनोहर सिंह रावत द्वारा जानकारी देते हुए उन्हें साथ ही उन्हें विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं के विषय में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी अंजू डबराल गौड़, वार्ड मेम्बर पिंकी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, शंकुल प्रभारी मनोहर जोशी, विनीता नौटियाल, अरविन्द नेगी, शंकुतला तड़ियाल, पूजा आर्या, शकुन्तला राजपूत, पार्षद धाकड़ सहित आशा बहनें, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व नारी शक्ति उपस्थित रही।

एकाउंट पे चैक खाते में ना आकर कैश भुगतान करने पर बैक पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। एकाउंट पे चैक खाते में ना आकर उसका किसी को कैश भुगतान करने पर बैंक पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरोला उत्तरकाशी निवासी सचिन डोभाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा 07 अगस्त 2023 को एसबीआई चम्बा का चैक पांच लाख रूपये उसके द्वारा बैंक ऑफ इण्डिया घण्टाघर नियर यूनिवर्सल पैट्रोल पम्प देहरादून में लगभग 12 बजे दोपहर में जो कि श्रीमती अनिता भूषण द्वारा दिया गया चैक था अपने खाता में जमा कराया गया है। उक्त चैक की धन राशि 10 अगस्त 2023 तक उसके बैक खाते में जमा नही हुई है। किन्तु श्रीमती अनिता भूषण द्वारा दूरभाष से अवगत कराया गया है कि एसबीआई चम्बा से उनके खाते से उक्त चैक से 08 अगस्त 2023 को नगद भुगतान कैश दिया गया है। इस सम्बंध में उसके द्वारा 10 अगस्त 2023 को बैक ऑफ इण्डिया घण्टाघर देहरादून में बैक मैनेजर व अन्य सबंधि त कर्मिको को जानकारी दी गयी बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा अपने सीसीटीवी कैमरे में उक्त चैक को समंधित काउंटर में देख गया है किन्तु बैंक द्वारा उक्त ध नराशि उसके खाते में जामा कराये जाने की कार्यवाही से कई आवश्वासन नही दिया गया है। इस सम्बन्ध में उसके द्वारा 10 अगस्त 2022 को बैंक ऑफ इण्डिया को पत्र भी लिखकर दिया गया है। बैंक मैनेजर / कैशियर ने उसके रुपये उसके खाते में जामा नही किये है। उसके द्वारा उक्त चैक डब्बल क्रास (एकाउट पे) करके बैंक में जामा किया था जो कैश नगद भुगतान नही हो सकता है। बल्कि एसबीआई चम्बा से उक्त चैक नगद भुगतान हुआ है अन्यता बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा उसकी धन राशि का गमन किया गया है। पुलिस ने बैंक पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो नाबालिग सकुशल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो नाबालिगों को सकुशल बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नौ सितम्बर को थाना रानीपोखरी क्षेत्रान्तर्गत निवासी महिला द्वारा प्रार्थना पत्र दिया कि उसकी पुत्री उम्र-17 वर्ष व पड़ोस में रहने वाली लड़की उम्र- 13वर्ष 08 सितम्बर 23 की डेढ बजे दोपहर को घर से बिना बताए कही चले गए थी जो अभी तक घर वापस नही आयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी रानीपोखरी द्वारा थाना रानीपोखरी पर पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा स्थानीय सूचना तन्त्र को सक्रिय कर घटनास्थल के आस-पास व संभावित स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन किया।

सूचना तन्त्र के माध्यम से गठित टीम को गुमशुदा बालिका की लोकेशन सहारनपुर मे होने के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर थाना प्रभारी रानीपोखरी ने तुरन्त ही एक टीम को सहारनपुर रवाना किया गया, पुलिस टीम जैसे ही सहारनपुर पहुँची तो जानकारी हुई कि बालिकाएं सहारनपुर से वापस उत्तराखंड के लिए निकल चुकी है, बालिकाओ की लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम जैसे ही देहरादून पहुची। उक्त बालिकाएँ हरिद्वार की ओर जा रही है। गठित टीम द्वारा उक्त बालिकाओं को भानियावाला फ्लाईओवर के पास से 02 युवकों अभिषेक शर्मा पुत्र ओमकार निवासी नगला दुहेली पुरकाजी मुफ्फरनगर, आशीष चौहान पुत्र अजब सिंह चौहान निवासी पिलखनी सरसाबा जिला सहारनपुर के साथ मिली। जिनसे पूछताछ में लड़को द्वारा शादी का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले जाना बताया गया। उपरोक्त दोनो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया व अपहर्ताओं को सकुशल अपने संरक्षण मे लिया गया। बालिकाओ को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एफआरआई तो जवाब नहीं

एडिटर्स गिल्ड की टीम ने तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट नहीं बनाई है, तो राज्य सरकार उसका तार्किक एवं तथ्यात्मक जवाब पेश कर सकती थी। लेकिन वह इतनी नाराज हुई कि उसने पत्रकारों के खिलाफ ही मुकदमा दायर कर दिया है।

एडिटर्स गिल्ड की रिपोर्ट पर मणिपुर सरकार ने जो रुख अपनाया, उससे यह संदेश गया है कि भारत में अब सवाल पूछना अपराध हो गया है। वरना, अगर राज्य सरकार को यह लगता है कि गिल्ड की तरफ से मणिपुर गई पत्रकारों की टीम ने तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट नहीं बनाई है, तो वह उसका तार्किक एवं तथ्यात्मक जवाब पेश कर सकती थी। लेकिन मणिपुर सरकार इस रिपोर्ट से इतनी नाराज हुई कि उसने पत्रकारों के खिलाफ ही पुलिस केस दायर कर दिया है। एडिटर्स गिल्ड की यह तीन सदस्यीय समिति ने सात से 1० अगस्त तक मणिपुर का दौरा किया था। वहां जांच समिति के सदस्य कई पत्रकारों, सिविल सोसाइटी कार्यकर्ताओं, हिंसा प्रभावित व्यक्तियों, आदिवासी प्रवक्ताओं और सुरक्षाबलों के प्रतिनिधियों से मिले। उसके आधार पर उन्होंने अपनी रिपोर्ट तैयार की। समिति ने दो सितंबर को अपनी रिपोर्ट जारी की। उसमें कहा गया कि मणिपुर में हिंसा के दौरान राज्य के पत्रकारों ने एक-पक्षीय रिपोर्टें लिखीं, जिनमें लिखी गई बातों की संबंधित संपादकों ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों से बात कर पुष्टि नहीं की। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हिंसा के माहौल में संभव है कि संपादकों के लिए ऐसा करना संभव नहीं हुआ होगा। इसके अलावा इंटरनेट पर लगे बैन की वजह से हालात बदतर हो गए थे। इंटरनेट प्रतिबंध की वजह से पत्रकारों की एक दूसरे से, अपने संपादकों से, और अपने सूत्रों से बात करने की गुंजाइश घट गई थी। राज्य में सबसे ज्यादा मीडिया संगठन इम्फाल घाटी से संचालित होते हैं। अधिकांश के मालिक मैतेई समुदाय से हैं। घाटी में आठ अखबार हैं और पांच यूट्यूब आधारित समाचार चैनल हैं, जिनको लाखों लोग देखते हैं। जबकि पहाड़ी इलाकों में सिर्फ दो अखबार और सिर्फ तीन यूट्यूब चैनल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा के दौरान यही 'इम्फाल मीडिया' मैतेई मीडिया में बदल गया। इसी बात से राज्य सरकार नाराज हो गई। लेकिन अगर एक मीडिया जांच टीम किसी नतीजे पर पहुंची, तो उसका उत्तर जवाबी रिपोर्ट तो हो सकती है, लेकिन मुकदमा दर्ज करना तो उसका जवाब नहीं है। यह लोकतंत्र के खिलाफ है।(आरएनएस)

एजेंडा ही तो पूछा है!

सवाल पूछने पर सवालों से ही जवाबी हमला बोलने की वर्तमान सत्ता पक्ष की रणनीति अब नई नहीं रह गई है। लेकिन इन तौर-तरीकों ने भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य दोनों को अनिश्चय में डाल दिया है।

संसद के विशेष सत्र को लेकर जारी रहस्यमय स्थिति के बीच विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने सरकार से तुरंत बताने को कहा कि इस सत्र का एजेंडा क्या है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्तावित सत्र में चर्चा के लिए कुछ 'रचनात्मक सुझाव' दिए। लोकतांत्रिक परंपरा और मर्यादा के अनुरूप अपेक्षित तो यह होता है कि ऐसे पत्रों का उत्तर सीधे प्रधानमंत्री की तरफ से आए। लेकिन नरेंद्र मोदी के शासनकाल में ऐसी परिपाटियों के निर्वाह की अपेक्षा हम नहीं रखते। फिर भी एक सामान्य से पत्र पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और टीवी चैनलों पर भाजपा प्रवक्ताओं की दिखी प्रतिक्रिया को न सिर्फ अवांछित, बल्कि एक हद तक आपत्तिजनक भी कहा जाएगा। सत्ता पक्ष ने उलटे सोनिया गांधी के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी। उन पर 'लोकतंत्र के मंदिर संसद को सियासी रंग' देने का इल्जाम लगाया गया है। बहरहाल, सरकार चाहे सोनिया गांधी के सुझावों को तव्वजो दे या नहीं, यह उसका विशेषाधिकार है, लेकिन संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है, तो उसका एजेंडा सारा देश जानना चाहता है।

संसद के सत्र को लेकर ऐसी गोपनीयता अभूतपूर्व है। फिर जिन लोगों को सत्र में भाग लेना है, उनमें जनता से निर्वाचित विपक्षी सांसद भी हैं। किसी एक साधारण बैठक के पहले भी भागीदार यह जानना चाहते हैं कि मीटिंग किसलिए बुलाई गई है। ऐसे में सांसदों का एजेंडा पूछना पूरी तरह वैध एवं विवेकपूर्ण है। लेकिन सरकार संभवतः विपक्ष को संसदीय प्रक्रिया में वैध हितधारक (स्टेकहोल्डर) नहीं मानती। उसे बदनाम और लांछित करके अपने समर्थक तबकों की निगाह में गिराने की कोशिश अब खासी जानी-पहचानी हो चुकी है। सवाल पूछने पर सवालों से ही जवाबी हमला बोलने की उसकी रणनीति भी नई नहीं है। लेकिन इन तौर-तरीकों ने भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य दोनों को अनिश्चय में डाल दिया है। इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि पारदर्शिता लोकतंत्र का बुनियादी तकाजा है, जबकि गुपचुप फैसले लेना और उन्हें लागू कर देना सिरे से लोकतांत्रिक भावना और व्यवस्था पर प्रहार माना जाता है। यही कसौटी लोकतंत्र को राजतंत्र से अलग करती है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भूख बढ़ाने के लिए करें नींबू का इस्तेमाल, बढ़ जाएगी आपकी डाइट

भूख न लगना एक गंभीर समस्या जरूर है क्योंकि इसी कारण कई दूसरी और खतरनाक बीमारी होने के चांसेस बढ़ जाते हैं। भूख नहीं लगने की वजह से कई दूसरी बीमारी भी आपके शरीर को अपना शिकार बना सकती है। भूख नहीं लगेगी शरीर को सही ढंग से पोषण नहीं मिलेगा। भूख न लगने के पीछे का कारण तनाव और डिप्रेशन भी हो सकता है। कई बार भूख न लगने की स्थिति में लोग तरह-तरह के फूड सप्लीमेंट भी लेते हैं। जिसका सीधा असर हमारी हेल्थ पर पड़ता है। ऐसे में आज हम आपके लिए लाए हैं खास उपाय। भूख न लगने की स्थिति में आप नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके भूख लगने में मदद कर सकता है।

भूख बढ़ाने के घरेलू नुस्खे

नींबू के रस को चूना के पानी में मिलाकर पिएं

अगर आपको भूख नहीं लगती है तो 3 द्वद्यनींबू के रस में 1०० द्वद्य चूने का पानी और शहद मिला लें। इस बूंद को 2०-2० बूंद 2-3 बार जरूर लें।

गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पिएं

एक ग्लास गुनगुने पानी में नींबू का रस मिलाकर पिएं। ऐसा करने से भूख बढने के साथ-साथ पाचन क्रिया भी अच्छी होगी।

नींबू के शरबत में नमक भी पीला सकते हैं

नींबू का शरबत भी भूख बढ़ाने के काम आता है। अगर आप 2 गिलास पानी 2 नींबू का रस में लौंग और काली मिर्च पाउडर मिलाकर पिएंगे। इससे आपकी भूख भी बढ़ सकती है। इन सब के अलावा आप अपने स्वादनुसार उसमें नमक भी मिला सकते हैं।

नींबू पर काला नमक लगाकर खाएं

नींबू पर काला नमक लगाकर चाटने से भी भूख बढ़ती हैइससे आपका हाजमा भी दुरुस्त होगा और पाचन तंत्र मजबूत होगा।

अदरक के टुकड़ों में नींबू का रस और काला नमक मिलाकर खाएं। इसे खाने से भूख बढने के साथ-साथ हाजमा भी अच्छा होता है। आप इसे काफी वक्त तक फ्रिज में स्टोर करके भी रख सकते हैं।(आरएनएस)

मंजरी फडनीस ने जाने तू...या जाने ना की शूटिंग के यादगार पल किए साझा

एक्ट्रेस मंजरी फडनीस, जो आने वाली रोमांटिक कॉमेडी जाने तू...या जाने ना में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, ने उन पलों के बारे में बात की, जो रिलीज के 15 साल बाद भी उनकी पुरानी यादों को ताजा कर देते हैं।

अब्बास टायरवाला द्वारा निर्देशित 2००8 की फिल्म जाने तू... या जाने ना में इमरान खान और जेनेलिया डिसूजा लीड रोल में हैं। इसमें प्रतीक बब्बर, मंजरी, रत्ना पाठक, नसीरुद्दीन शाह, सोहेल खान, अरबाज खान और परेश रावल भी अहम भूमिका में हैं।

मंजरी ने मेघना का किरदार निभाया, जो जय (इमरान) की गर्लफ्रेंड थी। हाल ही में, फिल्म ने रिलीज के 15 साल पूरे किए और 39 वर्षीय एक्ट्रेस ने शूटिंग से जुड़े पलों को याद किया।

जब मंजरी से पूछा गया कि उन्हें अभी भी फिल्म के बारे में क्या याद आता है, तो उन्होंने बताया, साउथ बॉम्बे की खाली सडकों पर चलना। मुझे लगता है कि यही एकमात्र मौका था जब मैंने इसे इतना शांत और इतना विचित्र देखा था, यह इतना अद्भुत था। मुझे लगता है कि यह मुझे पुरानी यादों में खो देता है।

उन्होंने कहा, कभी-कभी जब मैं साउथ बॉम्बे पार कर रही होती हूं, तो मुझे पुरानी यादों का एहसास होता है, और मैं बस आधी रात में सडकों पर चलना चाहती हूं। क्योंकि फिल्म में मेरा एक सीन सड? पर चलने वाला था, जिसमें वह इमरान से बात करती हूं। वह वास्तव में मेरे लिए यादगार था।

उन्होंने आगे कहा, इगतपुरी में पूरी शूटिंग, जहां हमने नजरें मिलाना गाना शूट किया था, वह कुछ खास था। और निश्चित रूप से पंचगनी में पूरी वर्कशॉप हमारे लिए एक और अद्भुत जुड़ाव वाली जगह थी।

वर्तमान में, मंजरी नीरज पांडे द्वारा निर्मित और लिखित दिलचस्प थ्रिलर सीरीज द फ्रीलांसर में नजर आ रही हैं। वह मृणाल कामथ की भूमिका निभा रही हैं। शो में मोहित रैना, अनुपम खेर, कश्मीरा परदेशी और नवनीत मलिक भी हैं। यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग हो रही है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -040

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

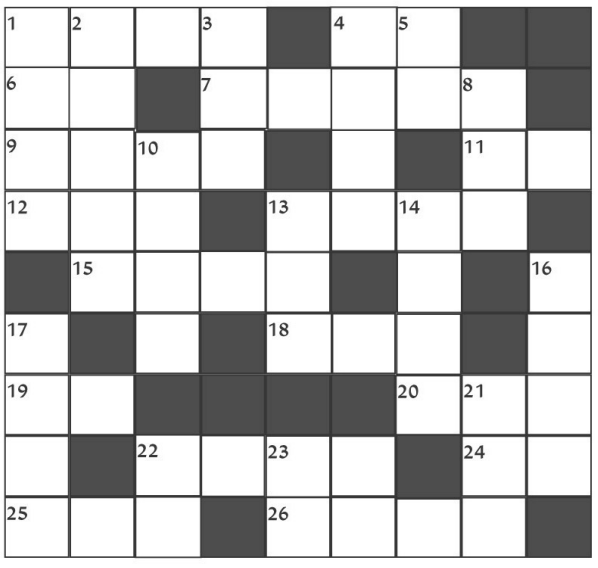

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 39 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

फिर दर्शकों को लोटपोट करने को तैयार फुकरे गैंग

इस साल कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच आने वाले हैं। उन्हीं में से एक फुकरे 3 भी है, जिसका इंतजार लंबे समय से हो रहा है।इस फ्रैंचाइजी की पिछली दोनों फिल्में दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। यही वजह है कि तीसरी किस्त के लिए भी दर्शक बड़े उत्साहित हैं।बीते दिन फिल्म से कलाकारों की शानदार झलक सामने आई थी और अब इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में हर किरदार एक मजेदार अंदाज में दिख रहा है। जहां भोली पंजाबन बनीं ऋचा चड्ढा राजनीति में कदम रख चुनाव लडने् को तैयार हैं, वहीं वरुण शर्मा उर्फ चूचा के चुटकुले लोटपोट करते हैं।दूसरी तरफ फिल्म में पंडित जी का किरदार निभा रहे अभिनेता पंकज त्रिपाठी के डायलॉग ध्यान खींचते हैं। फिल्म से सामने आईं झलकियों की तरह ट्रेलर भी शानदार लग रहा है और लगता है कि फुकरे गैंग फिर सिनेमाघरों में धूम मचाने वाला है। इस फिल्म की रिलीज तारीख कई बार बदली जा चुकी है। पहले यह इस साल के अंत में दिसंबर के महीने में रिलीज होने वाली थी।हालांकि, अब प्रभास की सालार के टलने के बाद निर्माता फुकरे-3 को जवान के बाद 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज कर रहे हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर से टकराएगी।हाल ही में फिल्म के पोस्टर्स के साथ इसकी रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा था। पहले फुकरे 3 7 सितंबर को उसी दिन रिलीज होने वाली थी, जिस दिन शाहरुख खान की जवान रिलीज हो रही है।बाद में इसे जवान की वजह से ही 1 दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया।यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि पहले जवान 3 जून को रिलीज हो रही थी, लेकिन जैसे ही इसकी रिलीज डेट 7 सितंबर हुई तो फुकरे 3 की टीम हरकत में आई और फिल्म की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी। इस फिल्म को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने मिलकर बनाया है। फिल्म में एक बार फिर ऋचा, पंकज, मनजोत सिंह, पुलकित और वरुण दर्शकों को गुदगुदाएंगे।मृगदीप सिंह लांबा इस फिल्म के निर्देशक हैं। फुकरे 2013 में आई थी। इसके बाद 2017 में फुकरे रिटर्न्स ने पर्दे पर दस्तक दी थी। 22 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई थी।तीनों फिल्मों की कहानी विपुल विग ने ही लिखी है।(आरएनएस)

संजय मिश्रा की फिल्म गुठली लड्डू शिक्षा के अधिकार पर आधारित है

भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा ने कुछ दिन पहले अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था, जिसमें नाम गुठली लड्डू रखा गया है। अब निर्माताओं ने शिक्षक दिवस के खास मौके पर गुठली लड्डू का टीजर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी शिक्षा के अधिकार पर आधारित है।इसमें संजय स्कूल के प्रधानाचार्य (प्रिंसिपल) की भूमिका निभा रहे हैं, जो फिल्म में एक होशियार बच्चे की शिक्षा के अधिकार की लड़ाई लड़ता है। फिल्म गुठली लड्डू शिक्षा के अधिकार जैसे मुद्दे के साथ-साथ सामाजिक भेदभाव की भी बात करती हैं। यह फिल्म सामाजिक परिवर्तन की ओर एक साहसिक पहल है।गुठली लड्डू 13 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इस फिल्म में संजय के अलावा सुब्रत दत्ता, धनय शेठ, कल्याणी मुले, कंचन पगारें, अर्चना पटेल, आरिफ शहडोली और संजय सोनू की मुख्य भूमिकाएं हैं।फिल्म का निर्देशन इशरत आर खान ने किया है। गुठली लड्डू प्रदीप रंगवानी द्वारा निर्मित है।

करीना कपूर ने ओटीटी पर दी दस्तक!

करीना कपूर ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनकी पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई।बहरहाल, अब करीना फिल्म जाने जान से ओटीटी पर कदम रख रही हैं और पिछले कुछ दिनों से लगातार इसे लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।कुछ दिनों पहले उन्होंने अपनी इस फिल्म का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ साझा किया था और अब उन्होंने फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच पेश किया है। ट्रेलर रोमांच से लबरेज है। इसे देख लगता है कि एक बेहतरीन क्राइम थ्रिलर फिल्म की सौगात दर्शकों को मिलने वाली है।करीना का गंभीर और आक्रामक अवतार फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता जगाता है, वहीं अभिनता जयदीप अहलावत ने भी ट्रेलर में आकर्षित किया है। कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रहे जयदीप ने फिल्म में जान डाल दी है।ट्रेलर में विजय वर्मा के साथ करीना के रोमांस की झलक भी देखने को मिली है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान सुजॉय घोष ने संभाली है। यह पहला मौका है, जब किसी फिल्म के लिए करीना, जयदीप और विजय की तिकड़ी साथ आई है।फिल्म के प्रोडक्शन का काम एकता कपूर ने संभाला है। यह जापानी लेखक हिगाशिनो कीगो के 2005 के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स का रूपांतरण है। जाने जान करीना के जन्मदिन यानी 21 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आएगी। इस साल बॉलीवुड के कई सितारों ने ओटीटी पर कदम रखा है। सोनाक्षी सिन्हा ने वेब सीरीज दहाड़ से अपनी शुरुआत की है तो राजकुमार राव ने गन्स एंड गुलाब्स से ओटीटी का रुख किया है।आदित्य रॉय कपूर वेब सीरीज द नाइट मैनेजर लेकर आए तो शाहिद कपूर की पहली वेब सीरीज फर्जी रिलीज हुई।अब जहां सिद्धार्थ मल्होत्रा की पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स आने वाली है, वहीं वरुण धवन सिटाडेल लेकर आ रहे हैं। करीना निर्देशक हंसल मेहता की अगली फिल्म में काम कर रही हैं। वह इसमें एक पुलिसकर्मी की भूमिका में नजर आने वाली हैं। (आरएनएस)

रॉकी और रानी... के नाम बड़ी उपलब्धि, अब बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाई जाएगी फिल्म

करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानीको रिलीज हुए 1 महीना बीत चुका है, लेकिन फिल्म अब भी लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं।बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने बढि?या प्रदर्शन किया है, वहीं फिल्म की कहानी और किरदारों की भी दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने सराहना की है।अब खबर है कि इस फिल्म को लोकप्रिय बुसान फिल्म महोत्सव के लिए चुना गया है।

रॉकी और रानी... को प्रतिष्ठित बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल 2023 के ओपन सिनेमा श्रेणी के तहत प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म अंतरराष्ट्रीय स्तर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।धर्मा प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर एक दिल वाला इमोजी साझा कर लिखा, आपका प्यार है तो सब है।इसके साथ जिन 4 फिल्मों को जगह मिली है, उनमें फ्रांस से डॉगमैन और द एनिमल किंगडम, जापान से रिवॉल्वर लिली और हांगकांग से वन मोर चांस शामिल है।

यह महोत्सव 4 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक चलेगा। इस साल यहां कुल 269 फिल्में दिखाई जाएंगी। बुसान फिल्म महोत्सव का आयोजन हर साल दक्षिण कोरिया में होता है। यह एशिया के बड़े फिल्म महोत्सवों में से एक है। इसकी शुरुआत 1996 में हुई थी।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के प्रोडक्शन का काम तो करण ने संभाला ही, इसी के साथ उन्होंने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उठाई।करण ने इस फिल्म के जरिए 7 साल बाद निर्देशन में वापसी की। इससे पहले 2016 में रिलीज हुई फिल्म ऐ दिल है मुश्किल के लिए करण निर्देशक की कुर्सी पर बैठे थे। फिल्म रिलीज होने के बाद करण के निर्देशन की चारों ओर खूब तारीफ हुई।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया।फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी अहम भूमिका निभाई है।इस फिल्म ने भारत में 180 करोड़ रुपये तो दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह फिल्म बीती 28 जुलाई को रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने बेशुमार प्यार दिया है।

श्वेता तिवारी ने अपने लुक से उड़ाए फैंस के होश

टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने अपनी एक्टिंग के दम पर दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई हुई है। ये ही नहीं एक्ट्रेस अपने बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक्स के कारण भी सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता ने अपनी लेटेस्ट स्टाइलिश आउटफिट में फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस इंटरनेट का पारा गर्म कर रही है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपनी हॉटनेस भरी अदाओं से फैंस का दिल मचल दिया है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने बेहद ही जबरदस्त स्टाइलिश ड्रेस पहना हुआ था। एक्ट्रेस के इस फैशन स्टेटमेंट को देख कर फैंस हैरान रह गए थे। हालांकि उनके इस लुक से लोगों की नजरें हटना मुश्किल हो गया था। श्वेता तिवारी ने इन फोटोज में रेड कलर के जालीदार ब्लाउज पहना हुआ है, जिसमें वो काफी स्टनिंग नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के इस रिवीलिंग आउटफिट ने एक बार फिर से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। उनके इस लुक ने एक बार फिर से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। इन तस्वीरों में श्वेता तिवारी बोल्ड अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। श्वेता तिवारी अपने इस लुक से फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। उनकी हर एक अदाओं पर लोग अपना दिल हार बैठते हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस की उम्र 42 साल हो गई है। हालांकि अभी भी श्वेता तिवारी काफी यंग नजर आती हैं। इसी कारण से लोग उन्हें पलक की बड़ी बहन कहते हैं।

सनी देओल की फिल्म मां तुझे सलाम के सीक्वल का ऐलान

सनी देओल इन दिनों गदर 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद बॉलीवुड के सबसे सफल अभिनेताओं की सूची में शुमार हो गए हैं। फिल्म ने पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस में तहलका मचा दिया है।नतीजतन अभिनेता की 90 और 2000 के दशक की लोकप्रिय फिल्में एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। इस सबके बीच अब 2002 में टीनू वर्मा के निर्देशन में बनी सनी की फिल्म मां तुझे सलाम के सीक्वल का ऐलान हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने मां तुझे सलाम 2 का पोस्टर साझा किया है।पोस्टर में फिल्म के नाम के साथ भारत का तिरंगा लहरा रहा है और लिखा है, दूध मांगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर मांगोगे तो लाहौर भी छीन लेंगे।मालूम हो कि पहले के पहले भाग में सनी का डायलॉग था, जिसमें वह कहते हैं, दूध मांगोगे तो खीर देंगे, कश्मीर मांगोगे तो चीर देंगे।इस बार डायलॉग में थोड़ा बदलाव हुआ है।

मां तुझे सलाम में सनी, अरबाज खान, तब्बू, ओम पुरी, सुदेश बेरी, इंदर कुमार और टीनू वर्मा नजर आए थे।हालांकि, सीक्वल में नजर आने वाले सितारों के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि पहले भाग की तरह सनी इसका हिस्सा होंगे।इसके अलावा पोस्टर में केवल निर्माता महेंद्र धारीवाल का नाम लिखा है। निर्देशक के नाम की घोषणा अभी नहीं हुई है।ऐसे में अब निर्माताओं के आधिकारिक बयान का इंतजार है।

यह कश्मीर में तैनात मेजर प्रताप सिंह की कहानी है, जो सीमा पार दुश्मनों से लड़ रहे हैं।मेजर सिंह और उनकी टीम के साथ अपने देश की रक्षा भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया जाता है।यह फिल्म 2002 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले और गदर - एक प्रेम कथा (2001) के लगभग छह महीने बाद रिलीज हुई थी।अब गदर 2 की रिलीज के बाद इसके सीक्वल का ऐलान हुआ है, जो भी जल्द ही रिलीज होगा।

सनी जेपी दत्ता की बॉर्डर (1997) में एक मेजर की भूमिका में नजर आए थे। इसके अलावा इंडियन (2001), द हीरो- लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई (2003) और सिंह साब द ग्रेट (2013) भी उनकी देशभक्ति से लबरेज कुछ शानदार फिल्में हैं। गदर 2 के बाद अब दर्शक सनी की कई फिल्मों के सीक्वल की मांग कर रहे हैं। हाल ही में अभिनेता ने अपने और यमला पगला दीवाना के अगले भाग के बारे में बात की थी।अभिनेता ने बताया था उनके पास यमला पगला दीवाना 3 के लिए कहानी नहीं है और अपने 2 में मां का किरदार निभाने के लिए कई अभिनेत्रियां मना कर चुकी हैं।ऐसे में जल्द सब तय होने के बाद इन पर काम शुरू करेंगे।

एक साथ चुनाव की मुश्किलें

अजीत द्विवेदी

देश के सारे चुनाव एक साथ कराने का विचार अच्छा है और बहुत पुराना भी है। लेकिन सिर्फ विचार अच्छा होने से जरूरी नहीं है कि वह व्यावहारिक भी हो। अगर भारत के संदर्भ में एक देश, एक चुनाव के विचार को बारीकी से देखें तो यह एक काल्पनिक विचार दिखता है। यह सही है कि आजादी के बाद चार चुनाव एक साथ हुए लेकिन तब लोकतंत्र नया था, जड़ें गहरी नहीं हुई थीं, ज्यादा राजनीतिक पार्टियां नहीं थीं, गठबंधन की राजनीति का विचार नहीं आया था और एक पार्टी थी, जो आजादी की लड़ाई की विरासत लिए हुए थी और देश के लोग उसे राज करने का स्वाभाविक हकदार मानते थे। आज वह स्थिति नहीं है, जो 1967 में थी। आज के समय में भारत जैसे संघीय व्यवस्था और बहुदलीय लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश में इस विचार पर अमल पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। हो सकता है कि बहुत कोशिश करके एक बार या दो बार ऐसा कर दिया जाए लेकिन लोकतंत्र, संघीय व्यवस्था और चुनाव की बहुदलीय प्रणाली को बनाए रखते हुए हर बार ऐसा करना संभव नहीं होगा।

कोई दस साल तक लगातार इस बारे में बात करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इसकी एक पहल की है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है, जो इस संभावना पर विचार करेगी कि लोकसभा के साथ सारी विधानसभाओं के चुनाव कराए जा सकते हैं या नहीं और अगर कराए जा सकते हैं तो कैसे? इसके लिए कमेटी देश भर का दौरा करेगी, राज्यों की चुनी हुई सरकारों और विपक्षी पार्टियों के नेताओं से बात करेगी, चुनाव आयोग से राय लेगी और आम लोगों के विचार जानने के बाद अपनी रिपोर्ट देगी, जिसे संसद में बिल के तौर पर रखा जाएगा। संसद में इसे पास कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी और साथ ही देश के आधे राज्यों की विधानसभाओं से भी इसकी मंजूरी करानी होगी। सरकार अगर चाहेगी तो संवैधानिक प्रक्रिया उसके लिए बाधा नहीं बनेगी। पर मुश्किल लोकतंत्र, संघीय ढांचा और बहुदलीय व्यवस्था बचाने की है।

सबसे पहला सवाल यह है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव के लिए संविधान में संशोधन का जो बिल तैयार होगा उसमें कटऑफ डेट क्या होगी? सभी चुनाव कराने के लिए कौन सा वर्ष तय होगा? क्या अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के चुनाव कराए जाएंगे? अगर ऐसा सोचा जाता है तो फिर जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव नवंबर में होने वाले हैं वहां की चुनी हुई सरकार की जगह राष्ट्रपति शासन लगाना होगा तो क्या यह उन राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के साथ अन्याय नहीं होगा? जिन पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं उनमें से चार राज्यों में गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं और उन्होंने चुनाव की तैयारियों के लिहाज से लोक कल्याण की अपनी योजनाओं को लागू किया है। अगर उनको हटा कर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है तो उनको अपनी योजनाओं और यहां तक कि पांच साल के कामकाज का कोई लाभ नहीं मिलेगा। राज्य का नियंत्रण केंद्र के हाथ में चला जाएगा और चुनाव में लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं रह जाएगा।

इसी तरह जिन राज्यों में इस साल या पिछले साल चुनाव हुए हैं उन राज्यों की सरकारों का क्या होगा? क्या जनता की चुनी हुई सरकार को हटा कर और निर्धारित समय से तीन या चार साल पहले विधानसभा भंग करके चुनाव कराना सही विचार होगा? कर्नाटक में इस साल मई में चुनाव हुए हैं और त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड में साल के शुरू में चुनाव हुए तो क्या चार साल का कार्यकाल रहते इन सरकारों को भंग कर दिया जाएगा? अगर अगले साल अप्रैल-मई की कटऑफ डेट तय होती है तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, और गोवा की विधानसभा का कार्यकाल तीन साल बचा रहेगा। हिमाचल प्रदेश और गुजरात की विधानसभा का कार्यकाल साढ़े तीन साल से ज्यादा बचा रहेगा और तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम का दो साल से ज्यादा का कार्यकाल बचा रहेगा। विपक्षी पार्टियों की सहमति के बगैर क्या भाजपा संसद में अपने प्रचंड बहुमत के दम पर इन राज्यों में सरकार व विधानसभा भंग करके चुनाव कराने का फैसला कर सकती है? इससे संघीय व्यवस्था पर गहरी चोट होगी और स्थानीय स्तर पर नागरिकों में नाराजगी बढ़ सकती है।

वर्तमान की चिंताओं के बाद सवाल है कि भविष्य के लिए क्या व्यवस्था होगी? अगर किसी कारण से गठन के दो साल बाद ही लोकसभा भंग करने की स्थिति आ जाती है तो क्या होगा? क्या लोकसभा के साथ ही सभी राज्यों की विधानसभाएं भंग हो जाएंगी और फिर पूरे देश में एक साथ चुनाव होगा? या लोकसभा भंग रहेगी, केंद्र में राष्ट्रपति शासन या कार्यवाहक सरकार रहेगी और सभी राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल पूरा होने का इंतजार किया जाएगा ताकि एक साथ चुनाव हो सकें? अगर किसी राज्य की विधानसभा भंग करने की स्थिति आती है तो क्या होगा? क्या वहां चुनाव कराने के लिए सभी राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल पूरा होने का इंतजार किया जाएगा या क्या बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव होगा? ध्यान रहे ये सारे सवाल और सारी आशंकाएं जायज हैं क्योंकि भारत में बहुदलीय लोकतंत्र है और अनेक राज्यों में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं आता है। गठबंधन की सरकारें बनती हैं, जो गिरती रहती हैं। जब से भाजपा ने ऑपरेशन लोटस का आविष्कार किया है तब से पूर्ण बहुमत की सरकारें भी गिरने लगी हैं।

अगर अगले साल अप्रैल-मई की कटऑफ डेट तय होती है तो उसमें संवैधानिक व लोकतांत्रिक समस्याओं के अलावा व्यावहारिक समस्याएं बहुत सी हैं। राज्यों की चुनी हुई सरकारों और विपक्षी पार्टियों को समय से पहले चुनाव के लिए तैयार करने के अलावा चुनाव आयोग को बड़ी संख्या में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट मशीन खरीदनी होगी। एक साथ चुनाव कराने के लिए उसे बहुत बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों की जरूरत होगी और पूरे देश के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों का बंदोबस्त करना होगा। उसे पूरे देश के लिए एक मतदाता सूची तैयार करनी होगी। यह बहुत लंबा और श्रमसाध्य काम है।

सो, एक साथ पूरे देश में चुनाव की बजाय राज्यों की विधानसभाओं को दो समूहों में क्लब करके दो बार में चुनाव कराने की व्यवस्था की जा सकती है। इसके लिए ज्यादा उलटफेर करने की जरूरत नहीं होगी। लोकसभा और विधानसभाओं का फिक्स्ड कार्यकाल रखने की मजबूरी नहीं होगी। यह ज्यादा व्यावहारिक होगा और लोकतंत्र व संघीय व्यवस्था के अनुकूल भी इसे बनाया जा सकता है। एक साथ चुनाव इस कारण भी संघीय व्यवस्था और भारत जैसे विविधता वाले देश के लिए अनुकूल नहीं है क्योंकि ऐसे में पलड़ा हमेशा केंद्र में सत्तारूढ़ दल की ओर झुकता है, जबकि भारत में अलग अलग राज्यों में अलग विचारधारा और जातीय-सामाजिक निष्ठा वाली पार्टियां हैं। एक साथ चुनाव कराने के लिए एक तर्क खर्च का दिया जाता है। लेकिन वह भी कोई मजबूत तर्क नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा सिस्टम में चुनाव आयोग पांच साल में आठ हजार करोड़ रुपए के करीब खर्च करता है। इस तरह प्रति वोटर 27 रुपए का खर्च आता है, जो भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र के लिहाज से बहुत मामूली रकम है। इसके अलावा अलग अलग समय पर चुनाव होने से सत्तारूढ़ दलों के ऊपर मतदाताओं का दबाव रहता है। पार्टियां चुनावों की वजह से जवाबदेही महसूस करती हैं।

सू- दोकू क्र.040

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 39 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

ड्रोन हमलों से रूस में त्राहिमाम!

श्रुति व्यास

इस तीसअगस्त को यूक्रेन ने रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। यह हमला रूस के छह अलग-अलग इलाकों में किया। इसे यूक्रेन के रूस पर हमलों में से सबसे दुस्साहसी माना जा रहा है। इसे 'परीक्षण उड़ान' बताया गया था क्योंकि ड्रोन का जो झुंड रूस भेजा गया था, उसमें कई प्रोटोटाईप शामिल थे। हालांकि इसके बावजूद इन ड्रोनों ने अपना काम एकदम ठीक तरह से किया। सैन्य अड्डों के अंदर विस्फोट हुए, कई मौतें हुई और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घायल सैनिकों को बड़ी संख्या में अस्पताल ले जाया गया।

पिछला हफ्ता क्रेमलिन के लिए बुरा था। मास्को पर एक दर्जन से अधिक ड्रोन हमले हुए और कई बड़े हवाईअड्डों को कई बार बंद करना पड़ा. इसके साथ ही, हथियारों के कारखानों, हवाईपट्टियों, ईधन भंडारगृहों और रेलवे नेटवर्क में कई विस्फोट हुए। इन सबकी सफाई देना क्रेमलिन के लिए मुश्किल हो रहा है। ये हमले, जो सीमा से बहुत भीतर हुए, यूक्रेन के लिए प्रचार का हथियार हैं, हालांकि कीव ने इनमें उसका हाथ होने की बात यदा कदा ही स्वीकार की है।

जिन महत्वपूर्ण स्थानों पर आधुनिकतम टेक्नोलॉजी युक्त जबरदस्त सुरक्षा होनी चाहिए, उन पर सफल हमले रूस के मनोबल के लिए बहुत घातक सिद्ध हो रहे हैं भले ही इनसे युद्ध के जमीनी हालात में

कोई बदलाव न हो रहा हो।सोशल मीडिया में आई तस्वीरों में एक विमान नजर आ रहा है जो यूक्रेन में आम नागरिकों पर हुए हमलों में नियमित रूप से प्रयुक्त हो रहे विमानों जैसा है। ऐसे ही विमान का उपयोग रूस के आक्रमण के शुरूआती दिनों में मेरियापोल पर की गई जबरदस्त बमबारी के दौरान अनगाइडेड मिसाईलें गिराने के लिए किया गया था।

यूक्रेन की जासूसी संस्था जिसे जीयूआर के नाम से जाना जाता है, ने खबर दी है कि एक टीयू-22एम3 शनिवार को हुए हमले में 'नष्ट' हो गया और दो अन्य विमानों को नुकसान पहुंचा। रूस के भीतरी इलाकों में यूक्रेन के ड्रोन हमले हाल के महीनों में काफी बढ़ गए हैं, और ये हमले नियमित रूप से मास्को पर भी हुए हैं। इसलिए रूस भविष्य में होने वाले हमलों को रोकने के लिए यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि ये ड्रोन कहां से उड़े थे।

यह काफी अजीब है कि यूक्रेन का ड्रोनों के मामले में न तो कोई एकल कमान है और न ही इन्हें हासिल करने का कोई ढांचा है। शासन की कई संस्थाएं, जिनमें सभी जासूसी संस्थाएं शामिल हैं, के अपने-अपने ड्रोन हैं। ऐसा उच्च स्तरीय भ्रष्टाचार और लालफीताशाही के चलते हो रहा है, और यही वजह है कि मास्को पर कई हमले सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण होने की बजाए ड्रोन खरीदने वाले उच्चाधिकारियों का ध्यान प्रोटोटाईप की ओर आकर्षित करने की कोशिश नजर आते हैं। यूक्रेन के लिए ड्रोन ज़रुरत बन गए हैं। आखिरकार यूक्रेन पर शहरों पर बार-बार बमबारी हुई है जिनमें कई नागरिक मारे गए हैं और उनके रोजी-रोटी के साधन नष्ट हो गए। मास्को पर हमलों का उद्धेश्य मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालना है, ताकि सामान्य रूसियों को जंग की हकीकत का एहसास कराया जा सके। लेकिन यूक्रेन की सेना के भीतरी जानकारों का कहना है कि ज्यादातर हमले तीन माह से जारी जवाबी हमले को अधिक प्रभावी बनाने के लिए किए गए हैं। रूस की व्यापक हवाई सुरक्षा और इलेक्ट्रानिक युद्ध क्षमताओं के चलते किसी भी यूक्रेनी हमले की योजना बहुत बारीकी से बनाई जाना जरूरी है। यूक्रेन ने ऐसे एल्गोरिथम विकसित कर लिए हैं जिनके जरिए उसे कामयाबी हासिल हो रही है। ऐसी खबरें हैं कि सरकार ने केवल ड्रोनों के लिए 1.1 अरब डालर की रकम निर्धारित की है, जो यूक्रेन की दृष्टि से एक बड़ी रकम है।यूक्रेन ने युद्ध को तेज तो कर दिया है मगर वह इस तेजी को कब तक कायम रख पाता है, यह देखना होगा।

देहरादून में ड्रेनेज सिस्टम फेलियर की वजह से फैल रहा है डेंगूः आप

नगर संवाददाता

देहरादून। आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविन्द्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर स्मार्ट सिटी के लंबित पड़े कामों को डेंगू के फैलने का मुख्य कारण बताया।

उन्होंने कहा कि इस वक्त कहीं भी ड्रेनेज सिस्टम नही है जहाँ से पानी की निकासी हो सके। जिस कारण जमा हुए पानी में डेंगू का लार्वा फैल रहा है। उन्होंने कहा कि काफी समय से स्मार्ट सिटी का काम बहुत धीमी गति से चलने के कारण जब बरसात आई और वो काम भी रुक गया

❑डेंगू की वजह से हुई मृत्यु के लिए स्मार्ट सिटी और नगर निगम बराबर दोषी

तो उस दौरान नालियां तोड़ी जा चुकी थी और बड़े नाले बनने थे लेकिन उनका काम पूर्ण नहीं हुआ और उन नालियों में पानी भर जाने के कारण पूरे शहर में जहाँ भी गड्ढे खोदे गए उसमे डेंगू के लार्वा पनपे और धीरे धीरे पूरे शहर के लोग उसकी जद में आ गए। उन्होने कहा कि इसके लिए पूर्ण रूप से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट और नगर निगम दोषी है। इस संबंध में लोगों की जान को ताक पर रख कर नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने लापरवाही की जिसके कारण यह सब हुआ और न जाने कितने लोगों की मृत्यु भी डेंगू के कारण हो चुकी है। उन्होने कहा कि इसके लिए पूर्ण रूप से नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट दोषी है। इस आधार पर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारियों और नगर निगम को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए न सिर्फ जनता से माफी मांगनी चाहिए बल्कि अपने पदों से इस्तीफा भी दे देना चाहिए। कहा कि नगर निगम का रवैया बरसात के दौरान निराशाजनक रहा और बरसात से पनपे डेंगू के लार्वा के प्रकोप को नगर निगम संभाल नहीं पाया।

फर्जी विदेशी रिश्तेदार ने ठगे दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। फर्जी विदेशी रिश्तेदार बनकर दो लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। नकल तहरीर - सेवा में, थानाध्यक्ष, साईबर क्राईम, देहरादून। महोदय, निवेदन है कि उसको एक फर्जी मोबाईल नम्बर से किसी अंजान व्यक्ति का फोन आया उसने उसको अपना रिश्तेदार बताया जो इस समय कैनाडा में है उसने उससे कहा कि वह अगले माह अक्टूबर 2023 में देहरादून आ रहा है और वह उससे मिलेगा। वह उसको पासबुक की फ्रंट की कॉपी की फोटो भेज दो, वह उसमे कुछ पैसा जमा कराऊंगा जो वह उससे देहरादून में अकर ले लेंगा। उसके बाद उसको मोबाईल पर एक मैसेज आया उसके खाते में आठ लाख सत्तर हजार रूपये एनइएफटी के द्वारा उसके खाते में जमा करा दिये है जो वह उससे बाद में ले लेंगा फिर उसके थोड़ी देर बाद उसका फोन आया कि उसको एक फोन हर्जित सिंह के नाम से आयेगा वो उससे कुछ बात करना चाहते है, वो उससे कुछ पैसे मांगेगे तो उन्हे दे देना। उसने अपने बैंक में जाकर पता किया कि अभी एनईएफटी का पैसा उसके खाते में नहीं आया तो उसने उसे कहा जब तक पैसा नहीं आता वह उसको पैसे कैसे दे देगा। उसके बार-बार कहने पर उसने उसको एक लाख छियानवे हजार रूपये खातें में डाल दिये। जिसके बाद उक्त फोन बंद हो गया। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नशीले पदार्थो की तलाश में एएनटीएफ टीम ने चलाया चैकिंग अभियान

संवाददाता

देहरादून। नशीले पदार्थों की तलाश के लिए एएनटीएफ टीम ने शहर में चैकिंग अभियान चलाया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, व पुलिस अधीक्षक अपराध के दिशा निर्देशन में युवाओं में बढ़ते हुए नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध नशा मुक्त देहरादून उत्तराखण्ड अभियान के तहत नशीले पदार्थों की जांच हेतु एवं आवागमन पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चेकिंग तथा युवाओं के बीच नशे से बचने के लिए समय समय पर जन जागरूकता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया गया है। उक्त क्रम में एस पी क्राइम जनपद देहरादन व पुलिस उपाधीक्षक ए एन टी एफ के पर्यवेक्षण में रविन्द्र सिंह यादव एएनटीएफ टीम प्रभारी के नेतृत्व में जनपद में प्रवेश करने वाले वाहनों की स्नाइपर डॉग के साथ अवैध नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु चैकिंग की गयी।

एनईपी भविष्य को दर्शाति है और ये एक दार्शानिक दस्तावेज हैः प्रधान

संवाददाता

देहरादून। केन्द्रीय शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के बारे में बात करते हुए कहा कि एनईपी भविष्य को दर्शाति है और ये एक दार्शानिक दस्तावेज है जो उभरते भारत की तस्वीर का दिखाती है।

केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने देहरादून दौरे के दौरान बिदौली स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) में कार्यक्रम अमृत काल विमर्श ऑन विकसित भारत 2047 में प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रधान ने संस्थान के छात्रों को भारत में जी20, अमृत काल, नेशनल एजूकेशन पॉलिसी, भारत के विज्ञान, डिजीटल क्षेत्र और विश्व में बढ़ते भारत के रूतबे जैसे विषयों पर संबोधित किया। प्रधान ने अमृत काल विमर्श ऑन विकसित भारत 2047 में अपने वक्तव्य में कहा कि जी20 के दौरान अमेरीका, ब्रीटेन, जर्मनी सहित अन्य देश पहली बार राष्ट्रपिता माहत्मा गांधी की समाधि पर एकत्रित हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ऐसा नजारा नए भारत की तस्वीर है और ऐसा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशन नेतृत्व से ही मुमकिन हो पाया है। आज भारत ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में विश्व में चौथे नंबर पर है और उसका लक्ष्य 2024 तक 500 गीगा वॉट ग्रीन एनर्जी उत्पादीत करने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में जी20 के दौरान भारत ने बायो फ्यूल एलायंस का भी गठन किया जो ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा 2014 तक ईंधन में 1 प्रतिशत इथेनॉल का प्रयोग होता था जो 2023 में बढ़ कर 10 प्रतिशत हो गया है और इसे 2025 तक 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। ये सब नए उभरते भारत की तस्वीर है। अपने संबोधन के अंत में प्रधान ने कहा कि आज विश्व के सामने आज चुनौती है कौशल कामगारों के न उपलब्ध होने की और भारत विश्व की इस समस्या का समाधान है। भारत के अंदर ये क्षमता है जो इस स्किल गैप को भर सकता है और विश्व गुरू बन सकता है।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर पति सहित चार पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के मामले में पुलिस ने पति सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भूडपुर शिमला बाईपास निवासी हेमलता ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह पिछले एक वर्ष से अपने पति तरूण काला पुत्र इन्द्र कृष्ण काला निवासी वृन्दावन विहार बालावाला से अलग अपने मायके पर किराये पर रह रही है। 31 अगस्त 23 को उसकी सास श्रीमती कादम्बरी काला ने फोन पर उससे कहा कि तुम घर आ जाओ तथा सही रहना इस पर वह आज साढे ग्यारह बजे सुबह लगभग जब वह अपनी बहिन श्रीमती बबीता व सहेली प्रीति कुंवर के साथ अपनी ससुराल बालावाला पहुंची तो उसकी बहिन व सहेली बाहर ही रूकी रही तथा वह अपने ससुराल के अन्दर अपने पति व सास से मिलने गयी किन्तु वहां पर पहले से उसकी ननद यशवती भट्ट व उनका पति नीरज भट्ट मौजूद थे मकान के अन्दर घुसते ही उसका पति, सास, ननद व ननद का पति नीरज ने उसको डंडा व बैल्ट से मारना शुरू कर दिया व गला दबाने का प्रयास किया साथ में गाली गलौच जैसे नीच जात की बेटी है तु हमारे घर में घूसने लायक है। उसके पिता (अनुसूचित भोटिया) से सम्बन्ध रखते है जिस कारण उसकी ननद व ननद के पति नीरज के इस जातिवाचक शब्द को भोटियो की लडकी हम पंडितों को कुछ नही बिगाड सकती है व मारपीट करते रहे तत्पश्चात वह उनके चंगुल से छूटकर बाहर आयी व आपबीती अपनी बहन व सहेली को बताया फिर उसकी बहिन व सहेली ने 112 पुलिस हेल्प लाईन नम्बर डायल किया जिसके वहां चीता पुलिस मौके पर पहुंच गयी थी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लघु व्यापार एसोसिएशन के तृतीय वेडिंग जोन के अध्यक्ष बने जयभगवान

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन के तृतीय वेडिंग जोन पुल जटवाडा का अध्यक्ष जय भगवान व महामंत्री विजेन्द्र चौधरी को बनाया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के सामूहिक मात्र संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए नगर निगम क्षेत्र की सभी इकाइयों के चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ कर ज्वालापुर पुल जटवाड़ा तृतीय वेंडिंग जोन इकाई का गठन करते हुए सर्वसम्मति से अध्यक्ष जय भगवान महामंत्री विजेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मोहम्मद कामिल, संगठन मंत्री विजयपाल चुन्नू, सदस्य पंकज केश्वर, हसन अंसारी, प्रमोद कुमार, धर्मपाल सिंह, मोहम्मद कुर्बान, संरक्षक तस्लीम अहमद, धर्मपाल कश्यप को नियुक्त किया। नियुक्त किए गए सभी पदाधिकारियों को प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा फूल माला पहनाकर उत्साह वर्धन किया। ज्वालापुर पुल जटवाड़ा पुणे इकाई के गठन में सम्मिलित हुए प्रदेश महामंत्री मनोज मंडल, जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथनी, प्रदेश उपाध्यक्ष तस्लीम, रणवीर सिंह, अनूप गोपाल, कृष्ण नंदकिशोर आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

एक नजर

लीबिया में डेनियल तूफान ने मचाई तबाही, सड़कों पर दिखे लाशों के ढेर

नई दिल्ली। लीबिया के दर्ना शहर में तूफान डेनियल के चलते हुई मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। जिसने पहले ग्रीस, बुल्गारिया और तुर्की में तबाही मचाने के बाद लीबिया में दस्तक दी। लीबियाई टीवी पर फुटेज में दर्ना के मुख्य चौराहे पर कंबल या चादर में लिपटे दर्जनों शव दिखाई दे रहे हैं, जिनकी शिनाख्त होनी बाकी है। वहीं दक्षिण-पूर्व में मार्टौबा गांव में शवों के ढेर लगे हुए हैं। विनाशकारी बाढ़ के चलते अभी तक 2300 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। आपातकालीन सेवाओं ने जानकारी देते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या कहीं अधिक होने की आशंका है। इस खतरनाक तूफान में लगभग 100,000 लोगों के घर तबाह हो गए। भूमध्यसागरीय तटीय शहर दर्ना में बाढ़ के चलते भारी विनाश हुआ, जहां नदी के किनारे पर बहुमंजिला इमारतें ढह गईं और घर और कारें पानी के तेज बहाव में बह गईं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के तहत आपातकालीन सेवाओं ने अकेले दर्ना में 2,300 से अधिक की प्रारंभिक मृत्यु की सूचना दी और कहा कि 5,000 से अधिक लोग लापता हैं जबकि लगभग 7,000 घायल हुए हैं। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस एंड रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के टैमर रमदान ने कहा, मृत्यु संख्या बहुत बड़ी है और हजारों तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि करीब 10 हजार लोग लापता हैं।

आजम खान के ठिकानों पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने की छापेमारी

लखनऊ । समाजवादी पार्टा के सीनियर नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान के अलग-अलग ठिकानों पर इनकम टैक्ष्स डिपार्टमेंट ने छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक, आजम के यूपी और एमपी के कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम सपा के सीनियर नेता आजम खान के उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में स्थित ठिकानों पर पहुंची। कहा जा रहा है कि रामपुर, मेरठ, गाजियाबाद, सहारनपुर, लखनऊ और सीतापुर समेत कई शहरों में भी रेड की गई। जानकारी के मुताबिक, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की छापेमार कार्रवाई मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े मामले में की गई है। फिलहाल, समाचार लिखे जाने तक छापेमारी जारी है। कहां से क्या बरामद किया गया है, या जब्त किया गया है, इस संबंध में कोई जानकारी सामने नहीं आ पाई है। लेकिन कुछअपुष्ट खबरों के मुताबिक, मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े कुछ डॉक्युमेंट्स के अलावा कुछ गैजेट और इलेक्ट्रिक उपकरण जब्त किए गए हैं। कहा जा रहा है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम मामले में लेन-देन से जुड़ी जानकारी खंगाल रही है। बता दें कि मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की ओर से 2006 में उत्तर प्रदेश रामपुर में मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की स्थ्थापना की गई थी।

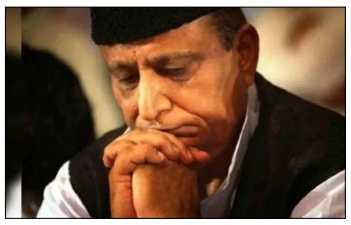

मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन बीरबल का 84 वर्ष की उम्र में निधन

मुंबई। अपने जमाने के जाने-माने कॉमेडियन बीरबल का निधन, वे 85 साल के थे। मिली जानकारी के मुताबिक उनकी मौत शाम 7.30 बजे मुम्बई के कोकिलाबेन धीरूभाई अम्बानी अस्पताल में हुई है। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। कॉमेडियन बीरबल का असली नाम सतिंदर कुमार खोसला था और उनकी कुछ शुरुआती फिल्मों केष्ट क्रेडिट में उनका असली नाम ही जाया करता था। कहा जाता है कि एक्टर मनोज कुमार ने सतिंदर को उनकी शख्सियत के मुताबिक बीरबल नाम सुझाया था और बाद वे इसपर राजी हो गये और फिर उन्होंने अपना स्क्रीननेम बीरबल रख लिया था। हिंदी, पंजाबी, भोजपुरी और मराठी फिल्मों में काम कर चुके बीरबल को पहला ब्रेक फिल्म राजा (1964) में मिला था, जिसके एक गाने के एक गाने के महज एक सीन में वो नजर आए थे। बीरबल ने राजा के बाद दो बदन, बूंद जो बन गये मोती, शोले, मेरा गांव मेरा देश, क्रांति, रोटी कपड़ा और मकान, अनुरोध, अमीर गरीब सदमा, दिल जैसी ढेरों फिल्मों में कामष्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी विशिष्ट जगह बनाई थी। अपने चार दशक से भी लंबे करियर में उन्होंने 500 से भी अधिक फिल्मों में चरित्र भूमिकाएं निभाईं थीं।

51 फीसदी वोट के लिए पार्टी को समय और सहयोग दे कार्यकर्ता : प्रधान

हमारे संवाददाता

देहरादून। भाजपा के टिहरी लोकसभा सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यकर्ताओं से आम चुनावों में शेष 180 दिनों को 51 फीसदी वोट के लक्ष्य प्राप्ति में लगाने का आह्वाहन किया है। उन्होंने राज्य की सभी 5 लोकसभा सीट रिकॉर्ड मतों के साथ जीतकर 300 से अधिक सीटों के साथ पीएम मोदी को लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सौंपने में जुटने पर जोर दिया।

सुभाष रोड स्थित एक निजी होटल में भाजपा टिहरी लोकसभा के मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्रियों का यह सम्मेलन तीन सत्रों में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन करने के उपरांत धर्मेंद्र प्रधान ने मार्गदर्शन देते हुए कहा, 2014 से लगातार देवभूमि की जनता का आशीर्वाद हमे 4 चुनावों में मिलता आया है और ये सब कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत का परिणाम है। लेकिन हम सबको ध्यान रखना है कि इस बार लोकसभा चुनाव की लड़ाई निर्णायक और देश की नई दिशा और ऊंचाई प्राप्त करने पर मुहर लगाने के लिए है।

उन्होंने कहा कि आम चुनावों के लिए लगभग 180 दिन शेष हैं। लिहाजा सबको अपना शत प्रतिशत समय और सहयोग पार्टी देना चाहिए ताकि 51 फीसदी के वोट लक्ष्य पूरा कर पीएम मोदी को लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सौंपी जाए। कहा कि यदि देश में कांग्रेस एवं अन्य पार्टियों के 60 वर्ष और एनडीए के 15 वर्ष की उपलब्धियों को देखें तो जमीन आसमान का अंतर है। जी 20 के अविस्मरणीय आयोजन को ही देखें तो आज दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक,सांस्कृतिक और नीतिगत शक्ति को स्वीकार किया है।

प्रधान ने कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा, जिन लोगों ने अपने नाम के पीछे गांधी लगाकर शासन किया उन्होंने महात्मा गांधी के सम्मान के लिए क्या किया? लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में जी 20 बैठक के दौरान दुनिया के शीर्ष देशों ने एक साथ राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि दी तो एक बार फिर उनके विचार और सिद्धांतों को ग्लोबल स्वीकृति मिली है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष आज संतान संस्कृति के अपमान की नीति पर कार्य कर रहा है और आने वाले दिनों में सद्भाव बिगड़ने और तनाव व भ्रम फैलाने की कोशिश भी करेंगे। लिहाजा हमे सतर्क रहते हुए बड़ी सजगता और कर्मठता से राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने के लिए पार्टी को मजबूत करना है। सम्मेलन के दूसरे सत्र में प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार ने टिहरी लोकसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों से पार्टी की गतिविधियों और सुझावों को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को बताया कि किस तरह हमें तमाम तकनीकी दिक्कतों से पार पाते हुए बूथ सत्यापन के काम को शीघ्र पूर्ण करना है। इसके उपरांत तीसरे सत्र में पार्टी के वर्तमान कार्यक्रमों एवम भावी कार्यक्रमों को विस्तार से जानकारी दी गई। सम्मेलन में टिहरी लोकसभा सांसद,कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत,प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी,टिहरी लोकसभा से पार्टी विधायक सविता कपूर,खजान दास,मुन्ना सिंह चौहान,किशोर उपाध्याय,प्रीतम सिंह,दुर्गेश लाल,सुरेश चौहान,शक्ति लाल शाह, सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

55 लाख की स्मैक सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा राजधानी देहरादून के ड्रग्स पेडलरों को नशा सामग्री उपलब्ध कराने वाले एक शातिर ड्रग्स डीलर को हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से 55 लाख रूपये की स्मैक बरामद की गयी है। आरोपी बरेली से स्मैक लाकर उसे दून के ड्रग्स पेडलरों को सप्लाई किया करता था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को सूचना मिली कि हरिद्वार के श्यामपुर क्षेत्र में एक बड़ा ड्रग्स डीलर आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए ए.एन.टी. एफ द्वारा थाना श्यामपुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए देर रात हरिद्वार स्थित कांगड़ी के पास से एक व्यक्ति जिसका नाम अमित कुमार पाल पुत्र ऋषिपाल निवासी यमुनोत्री एनक्लेव सेवला कला थाना पटेलनगर देहरादून को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से 550 ग्राम स्मैक बरामद की गई। जिसके द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि यह स्मैक बरेली से लेकर आया था जिसको वह पटेलनगर व आस पास के स्कूल कॉलेजों में अपने पैडलरो के माध्यम से बिक्री करता है। इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में पकड़े गये नशा तस्कर से कई ड्रग्स पैडलरों के नाम की जानकारी हुई है, जिन पर कार्यवाही की जायेगी। बरामद स्मैक की कीमत 55 लाख रूपये आंकी गयी है। एसटीएफ के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पहले भी थाना विकासनगर व थाना डालनवाला में एनडीपीएस के मुकदमों में जेल जा चुका है।

एसटीएफ एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा इस वर्ष में अभी तक 42 बड़े नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से लगभग 2 किग्रा स्मैंक, 23 किग्रा चरस, 7 कि.ग्राम अफीम, 1500 नशीले इन्जेशन, साढे चार लाख नशीली दवाईयां एवं 17 लाख नकली एण्टी वायोटिक कैप्सूल और गोलियां बरामद की गयी हैं। जिनकी कीमत 2 करोड़ 52 लाख रूपये आंकी गयी है।

सात पेटी अंग्रेजी शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। पहाड़ों में शराब तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने कल देर शाम सात पेटी अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम एक सूचना के बाद कोतवाली चमोली व एसओजी चमोली टीम द्वारा क्षेत्र मे चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान करीब 9. 45 बजे एक चौपहिया संदिग्ध वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वाहन चालक व उसका साथी भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। वाहन के तलाशी के दौरान उसमें रखी 7 पेटी अंग्रेजी शराब (चडीगढ़ मार्का) बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम नीरज पुत्र याद राम सैनी निवासी ग्राम शेखपुरा थाना मंडावर तहसील जिला बिजनौर व अक्षय कुमार पुत्र करण सिंह निवासी ग्राम कमगारपुर थाना मंडावर जिला बिजनौर बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।